an>

Title: Regarding timely release of medical grants for the people of economic weaker sections and setting up a Trauma Centre at Buxar .

**श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) :** उपाध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री राहत कोÂा, राÂट्रीय आरोग्य निधि सहित सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रालय अधीनस्थ चिकित्साअनुदान के संदर्भ में मेरा कहना है कि आर्थिक दÂिट से कमजोर एवं गरीब लोग जब अचानक असाध्य रोग से ग्रसित हो जाते हैं या दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं, तो उन्हें सघन चिकित्सा हेतु लम्बे समय तक आपातकालीन वार्ड में भर्ती होना पड़ता है,। काफी महंगी चिकित्सा होने के कारण वे समुचित इलाज नहीं करा पाते हैं। फलस्वरूप अधिकांश गरीब लोग मौत के मुंह में समा जाते हैं और कई रोगी समय पर उचित इलाज के अभाव में या तो दम तोड़ देते हैं या विकलांगता के शिकार हो जाते हैं।

दूसरी बात यह है कि कई बार असाध्य रोग की चिकित्सा हेतु समय पर आवेदन जमा करने के बावजूद विलम्ब से अनुदान निर्गत होने के कारण अस्पताल से अनुदान राशि वापस चली जाती है और उसका लाभ इन पीड़ित लोगों को प्राप्त नहीं हो पाता है। अतएव लोक कल्याणार्थ उक्त चिकित्सा अनुदानों के लिए केन्द्र सरकार खासकर स्वास्थ्य मंत्री जी इसके लिए सभी सरकारी अस्पतालों एवं सी.जी.एच.एस. द्वारा मान्यता प्राप्त प्राइवेट अस्पतालों में वैसे रोगियों की आपात सघन चिकित्सा लाभ हेतु एक नीतिगत निर्णय लेते हुए सभी राज्यों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दें। साथ ही, चिकित्सा हेतु प्राप्त आवेदन के एक सप्ताह के अंदर लाभुकों को राशि अवश्य प्राप्त हो जानी चाहिए, जिससे बहुतायत लोगों की जान बचाई जा सके। इसके अतिरिक्त मेरे संसदीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त लोगों के सघन चिकित्सा हेतु बक्सर में एक ट्रामा सेंटर की स्थापना शीघ्र की जाए, जिससे मौत से दुर्घटनाग्रस्त लोगों को बचाया जा सके। मेरे क्षेत्र में आधे दर्जन से अधिक लोग इस राहत कोÂा की राशि के अभाव में अपना इलाज ठीक से नहीं करा सकने के कारण काल के गाल में समा गए हैं।